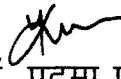


## संस्तुति

मैं संस्तुति करती हूँ कि श्री. सचिन राजाराम जाधव का एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत " अब्दुल बिस्मिल्लाह के 'मुखड़ा क्या देखे' उपन्यास का शैलिक अध्ययन ", लघुशोध - प्रबंध परीक्षणार्थ अंग्रेषित किया जाए।

  
(डॉ. पद्मा पाटील)  
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,  
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

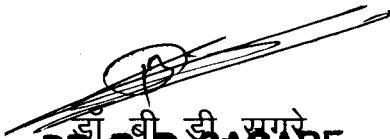
स्थान - कोल्हापुर


तिथि - 28/12/08

अध्यक्ष,  
हिंदी विभाग,  
शिवाजी विश्वविद्यालय,  
कोल्हापुर-४१६००४.

## संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि श्री. सचिन राजाराम जाधव का एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत " अब्दुल बिस्मिल्लाह के 'मुखड़ा क्या देखे' उपन्यास का शैलिक अध्ययन ", लघुशोध - प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

  
डॉ. बी. डी. सागरे  
**DR. B. D. SAGARE**  
प्रपाठक एवं अध्यापक, हिंदी विभाग,  
Research Guide  
लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय,  
Dept. of Hindi  
L.B.S. COLLEGE, SATARA

  
प्राचार्य,  
श्री. सुहास साळुंखे  
लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय,  
सातारा.

स्थान - सातारा

तिथि - 26/12/08



डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ,  
एम. ए., पीएच. डी.,  
अधिव्याख्याता, हिंदी विभाग,  
कला व वाणिज्य महाविद्यालय, वडूज  
तथा संचालक, रोटरी इंटरनैशनल संस्था, कराड

### प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री. सचिन राजाराम जाधव ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए " अब्दुल बिस्मिल्लाह के 'मुखड़ा क्या देखे' उपन्यास का शैलिक अध्ययन ", लघुशोध - प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। जो तथ्य इस लघुशोध - प्रबंध में प्रस्तुत किए गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। प्रस्तुत शोध - कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ। प्रस्तुत लघुशोध - प्रबंध इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

शोध निर्देशक



(डॉ. क्षितिज यादवराव धुमाळ)

स्थान - कराड

तिथि - 26/12/08

## प्रख्यापन

मैं प्रख्यापित करता हूँ कि " अब्दुल बिस्मिल्लाह के 'मुखड़ा क्या देखे' उपन्यास का शैलिक अध्ययन ", लघुशोध - प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। प्रस्तुत लघुशोध - प्रबंध इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

शोध - छात्र



(श्री. सचिन राजाराम जाधव)

स्थान - सातारा

तिथि - 29/12/08